टुटी सड़के

इन टूटी सड़को पर न चला करो,
इन समाज के बेजान नियमो को।
न माना करो,
जिन्हे न मजहब पता है ना। प्रेम पता है,
वो क्या जानें सच्चा धर्म क्या है।
इन खामोश निगाहो से पुछो
सच्चा प्रेम क्या है।
मित्र जाते है जो अपने कारवां के लिए
मर जाते है जो अपने वतन के लिए
एक बार उन वीर साथियो पर,
प्रेम का आगाज जला के देखो।
हो जाएगा जीवन सफल तुम्हारा
इन टुटी सडको पर न चला करो।
इन समाज के बेजान नियमों को न
माना करो।

कमलेश पाण्डेय
ऑपरेशन एक्जिक्युटीव
रॉची शाखा, झारखंण्ड

वादा

चले गए क्यों दुर बहुत तुम,
छोड़ कर मुझे क्यों दोस्त,
तोड़ लिया क्यों वादा,
तुम कहते थे बहुत दुर तक
साथ तुम्हारा दुगाँ,
जो भी काँटे मिले रास्ते में,
मैं उसको कुचलुगी,
तुम कहते थे पढ़ लिखकर,
तुम जग में नाम कमाओ,
जैसे तारे नील गगन में,
धरती पर छा जाओ,
मैने कहना मान तुम्हारा,
देखो सब कुछ पाया,
लेकिन खोकर तुमको दोस्त,
मन मेरा भर आया,
आज रो रहा हूँ मैं बैठा,
मुझको धैर्य बंधाओं,
वैसे आकर नही आ सकते,
सपनो में आ जाओ ।

प्रेम सागर सिंह
फिल्ड स्टाफ, समस्ती पुर
शाखा

गरीबदास

गरीब दास जी ने मुझे चाय पर बुलाया।
अपने चारो बेटो से मेरा परिचय करवाया।
सब से बड़ा लड़का एम. बी. बी.एस पास है।
नाम उस का हैप्पी है, रहता उदास है।
यह जो टूटी खाट पर लेटा है,
यह मेरा दुसरा बेटा है लंदन से आया है।
इंजिनियर की डिग्री लाया है।
यह जो नल पर पानी भर रहा है,
यह मेरा तीसरा बेटा है।
हिन्दी मे एम. ए कर चुका है पी. एच. डी
कर रहा है।
चौथे का दिमाग जरूरत से ज्यादा हाई है,
पढ़ लिख नही सका इसलिए पेशे से नाई है।
हेयर ड्रेसिंग सलून पर जाता है।
अच्छे अच्छो की हजामत बनाता है।
मैने कहा गरीब दास जी परिवार का
रेप्युटेशन सम्भालिये।
इस नाई को घर से निकालिये,
आप ने तीनो बेटो को खूब पढ़ाया,
पर यह मखमल मे टाट का पैबन्द कहां से
आया।
वे बोले निकाल तो दूँ पर, आजकल यह
बहुत काम आ रहा है,
बाकी सब तो बेरोजगार है।
घर का खर्चा तो यही चला रहा है।

राजन दत्ता
यमुना नगर (हरियाना, पंजाब)

चुटकुले

पहला कंजुस :
कितना अच्छा रहता कि तुम आज मुझे चाय पिलाते ?

दुसरा कंजुस :
घबराओं मत, मैने ऑर्डर दे रखा है।

पहला कंजुस :
कहाँ ?

दुसरा कंजुस :
तुम्हारे घर पर।

टीचर :
सच और भ्रम में क्या अंतर है ?

अंकित अध्यापिका :
आप पढ़ा रहें है; यह सच हैं। परतु हम पढ़ रहें है, यह आपका भ्रम हैं।

(बाल काटते वक्त नाई ने ग्राहक की कॉलर काट दी)

ग्राहक :
अरे भाई! ये क्या, तुमने तो मेरा कॉलर ही काट डाला।

नाई :
चिंता मत करे श्रीमान, मैं आपसे केवल बाल काटने के ही पैसे लूँगा।

एक अंग्रेज ने एक भारतीय से पूछा :
आपके यहाँ कोई गोरा तो कोई काला क्यों होता हैं।

भारतीय ने कहा :
इसलिए कि गधे एक रंग के होते है और घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।

अमित कुमार पांण्डे
एस/ओ कमलेश पांण्डे
ओ. पी. एस एक्जिकिटीव, रांची - झारखंण्ड